बिना रघुनाथ को देखे नहीं दिल को करारी है लिरिक्स

बिना रघुनाथ को देखे,
नहीं दिल को करारी है,
हमारी मात की करनी,
सकल दुनिया से न्यारी है,
बिना सियाराम को देखे,
नहीं दिल को करारी है।bd।

(भजन प्रसंग – भरत का श्रीराम वियोग)

लगी रघुवंश में अग्नि,
अवध सारी उजाड़ी है,
विमुख श्री राम से कीन्हा,
ऐसी जननी हमारी है,
बिना सियाराम को देखे,
नहीं दिल को करारी है।bd।

सुना जब तात का मरना,
मानो बरछी सी मारी है,
भरत सिरमौर धरनी में,
यही कहता पुकारी है,
बिना सियाराम को देखे,
नहीं दिल को करारी है।bd।

बड़ा व्याकुल हुआ बेसुध,
नयन से नीर जारी है,
पड़ूँ रघुनाथ चरणों में,
यही 'तुलसी' विचारी है,
Bhajan Diary Lyrics,
बिना सियाराम को देखे,
नहीं दिल को करारी है।bd।

बिना रघुनाथ को देखे,
नहीं दिल को करारी है,
हमारी मात की करनी,
सकल दुनिया से न्यारी है,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी आपके मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

बिना सियाराम को देखे,
नहीं दिल को करारी है।bd।

Singer – Pt. Radheshyam Ji Sharma
Lyrics – Goswami Tulsidas Ji

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com